1/EH–7 (i) (Syllabus–2018)

Odd Semester, 2020

(Held in March, 2021)

HINDI

(Elective/Honours)

(HIN-EL–1)

(Hindi Gadya Sahitya)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) बेचारे जैकिसुन की कुछ भी समझ में नहीं आया कि वह कहाँ है और किसकी बातें सुन रहा है। यह स्वप्न है या यथार्थ, इसका भी निर्णय वह नहीं कर पाया। वैसा विशालकाय मनुष्य उसने आज तक देखा नहीं था।

(ख) सागर ठिठककर क्षण-भर उसे देखता रहा। सहसा उसके भीतर कुछ जागा जिसने इमारत को पहचान लिया—यह तो अहोम राजाओं का क्रीड़ा भवन है—क्या नाम है? रंग-महल, नहीं हवा-महल, नहीं ठीक याद नहीं आता। पर यह उस बड़े पठार के किनारे पर है जिसमें जयमती।

(ग) गेहूँ हम खाते हैं, गुलाब सूँघते हैं। एक से शरीर की पुष्टि होती है, दूसरे से हमारा मानस तृप्त होता है। गेहूँ बड़ा या गुलाब? हम क्या चाहते हैं—पुष्ट शरीर या तृप्त मानस? या पुष्ट शरीर पर अतृप्त मानस।

(घ) कुल-मरजादा न मान बड़ाई। सबै एक से लोग-लुगाई।।
जात-पाँत पूछै नहिं कोई। हरि को भजै सो हरि का होई।।

(ङ) भारतमाता को स्वतंत्र कराना होगा—और नीति-अनीति, हिंसा-अहिंसा को देखने का यह समय नहीं है। मीठी बातों का परिणाम बहुत देखा।

2. 'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

औपन्यासिक तत्त्वों के आधार पर 'बाबा बटेसरनाथ' की समीक्षा कीजिए।

3. 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'पत्नी' कहानी के आधार पर सुनंदा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

5. 'क्रोध' निबंध के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'दाँत' निबंध में व्यक्त लेखक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

★ ★ ★